संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

एक देश, एक धड़कन

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार — CCRT Newsletter

खण्ड 3 • अंक 9 • सितम्बर 2025 — Volume 3 • Issue 9 • September, 2025

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

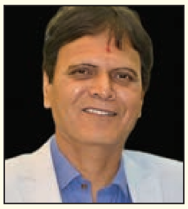

सत्य-सौंदर्य प्रकृति जिस रूप में स्वयं को प्रकट करती है उससे अधिक सुंदर रूप में कवि उसे प्रस्तुत करता है। कवि ने नदी, वृक्ष, फल, फूल इनका किया वर्णन पृथ्वी को अधिक सुंदर बनाता है। कवि आदर्श प्रेमी, आदर्श मित्र एवं अन्य आदर्श चरित्रों का निर्माण करता है तथा अपने काव्य के माध्यम से हमारे समक्ष प्रस्तुत करता है। इस प्रकार हमें कवि पूर्णत्व प्रदान करता है। दर्शनशास्त्र अथवा इतिहास से भी हम इतने प्रभावित नहीं होते जितने हम काव्य की वजह से होते हैं। कवि द्वारा निर्माण आदर्श-चरित्र हमें प्रेरणा देते हैं, क्योंकि वे हमारे अंर्तमन को आकर्षित करते हैं।

कलाकार की कोई भी रचना बीज(मूल) रूप में विद्यमान रहती है। सूक्ष्म रूप से कलाकार के कल्पना से वह स्थानांतरित होती है। यह स्थानांतरित रूप मनुष्य की शक्ति को उद्दिप्त करती है। सौंदर्यमयी स्वरूपों की रचना अनुकृति से भी अधिक कल्पना के माध्यम से अधिक होती है।

मनुष्य को कला प्रभावित करती है, कलाकार नहीं। प्रतिभाशाली कलाकार के उन्माद को कला प्रेरित करती है, ईश्वर नहीं। फेकास्टोरो के अनुसार मनुष्य की नाड़ी का स्पंदन संगीतमय लय के कारण बढ़ता है, ईश्वर के नहीं। ऐसी स्थिति में मनुष्य को स्वयं का विस्मरण हो जाता है तथा वह हर्ष-उन्माद की स्थिति प्राप्त करता है। कवि को दिव्य इसीलिये कहा जाता है क्योंकि वह दिव्य जुनून से भरा हुआ होता है।

पुनरूत्थान युग के कलाकारों के समक्ष यह प्रश्न था कि 'श्रेष्ठ' का चुनाव कैसे किया जाय? उनका मानना था कि 'सौंदर्य' ईश्वर प्रदत्त नहीं है। वह मनुष्य के चुनाव पर आश्रित है। प्रारंभिक काल में कलाकार अनुकृति नहीं करते थे। वे सीधा प्रकृति के समीप जाते थे तथा वहाँ के अत्यंत सुंदर भागों का चुनाव करके उन्हें अपने चित्र में प्रस्तुत करते थे।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

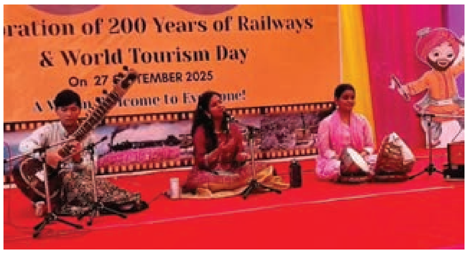

सितम्बर 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

एनईपी-2020 के अनुरूप 505वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

08 से 27 सितम्बर 2025 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद में 505वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 09 राज्यों से 37 सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को कला-आधारित और बहुविषयी शिक्षा के विविध पहलुओं से परिचित कराया गया। माइम को शिक्षा में अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हुए प्रतिभागियों को मोहिनीयट्टम, कुचिपुड़ी, हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत का अभ्यास कराया गया। विभिन्न भारतीय भाषाओं में गीत सीखने और उन्हें विद्यालयों में प्रयोग करने की पद्धतियों पर भी विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण में भारतीय चित्रकला, पुरातत्त्व, वास्तुकला और शिल्प परंपराओं से जुड़े सैद्धांतिक सत्रों ने प्रतिभागियों को सांस्कृतिक संदर्भ में शिक्षा को समझने का अवसर प्रदान किया। व्यावहारिक सत्रों में मधुबनी चित्रकला, बांधनी, मिट्टी के बर्तन और पेपर क्राफ्ट जैसे पारंपरिक शिल्पों का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही सालारजंग संग्रहालय, कुतुबशाही मकबरे, गोलकुंडा किला, नेहरू जूलॉजिकल पार्क और शिल्पारमम की शैक्षिक यात्राओं ने शिक्षकों को भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराया। इस पाठ्यक्रम का विशेष उद्देश्य शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक क्लब स्थापित करने, अर्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने और कला-आधारित शिक्षण गतिविधियों को नियमित रूप से आयोजित करने हेतु प्रेरित करना रहा।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली और क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर, हैदराबाद, गुवाहाटी और दमोह में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इस अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण, श्रमदान, व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 25 सितम्बर को 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' नामक मेगा श्रमदान गतिविधि का आयोजन नई दिल्ली के दादादेव मंदिर, उदयपुर के चारभुजा मंदिर, गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, हैदराबाद के चिन्णा पेदम्मा गुड़ी मंदिर और खैरागढ़ (छत्तीसगढ़) स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय सहित विभिन्न स्थलों पर एक साथ किया गया, जिसमें स्थानीय समुदाय, विद्यार्थी, शिक्षक और अधिकारियों सहित हजार से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त उदयपुर के नंदवेल और थूर विद्यालयों में कचरा प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुए, जबकि गुवाहाटी के बाघरबाड़ी हाई स्कूल में महात्मा गांधी के विचारों पर चर्चा की गई। रायपुर के उमाथे एक्सीलेंस स्कूल में पाँच सौ छात्रों और शिक्षकों ने व्यापक श्रमदान करके अभियान को और भी प्रभावशाली बनाया।

सितम्बर 2025 के इन सभी कार्यक्रमों ने सीसीआरटी की उस दृष्टि को और अधिक मजबूत किया, जिसमें शिक्षा, संस्कृति और समाज सेवा एक-दूसरे के पूरक बनते हैं। अनुस्थापन पाठ्यक्रमों ने शिक्षकों को कला-आधारित और बहुविषयी शिक्षण पद्धतियों से सशक्त किया, स्वच्छता पखवाड़े की गतिविधियों ने समुदाय और विद्यालयों को स्वच्छ जीवन शैली की ओर प्रेरित किया और शैक्षिक यात्राओं ने प्रतिभागियों को सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण की गहरी समझ प्रदान की। इस प्रकार सितम्बर का महीना सीसीआरटी के लिए

प्रशिक्षण, स्वच्छता, सांस्कृतिक शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता का समन्वय सिद्ध हुआ और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', 'स्वच्छ भारत मिशन' तथा 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्यों की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम भी बना।

'एनईपी-2020 के अनुरूप शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका' पर कार्यशाला

(10 से 24 सितम्बर, 2025, सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

इस कार्यशाला में भारत के 11 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 68 शिक्षक प्रतिभागी (29 महिला शिक्षक) शामिल थे। इस कार्यशाला द्वारा पुतलीकला की शिक्षा में शक्तिशाली व प्रभावी भूमिका को जानने का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने पुतलीकला के माध्यम से कक्षा में नवाचार, शिक्षण का संचालन द्वारा कुशल शिक्षण के प्रकारों को जाना, जो नई शिक्षा नीति-2020 के दृष्टिकोण के साथ संरेखित थे।

कार्यशाला के दौरान अनुभवी कठपुतली कलाकारों एवं कार्यशाला सम्बंधित विषयों के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया, जिससे वे कठपुतली के अभिव्यक्तिपूर्ण संभावनाओं का उपयोग करके कक्षा में संलग्नता बढ़ाने और समूह में सीखने के अनुभव को प्रोत्साहित कर सके। व्याख्यानों एवं प्रदर्शन सत्रों में कठपुतली की कला को सीखने और स्वयं के शिक्षण माध्यमों के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लिया गया, जिससे शिक्षकों को अपने कक्षाओं में कठपुतली के उपयोग को शामिल करने का अवसर मिला।

प्रतिभागियों ने कठपुतली के विभिन्न रूपों एवं तकनीकों और उनकी सांस्कृतिक महत्ता पर गहन चर्चा की। विभिन्न सत्रों के दौरान, उन्होंने सीखा कि कैसे कठपुतली का उपयोग बच्चों में रचनात्मकता, संचार कौशल एवं समूह कार्यों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। कार्यशाला के अंत में शिक्षकों ने अपनी कठपुतली कला की प्रस्तुतियों और शिक्षण विधियों को साझा किया, जिससे उन्होंने कार्यशाला में सीखे गए ज्ञान और कौशल को व्यावहारिक रूप से लागू किया।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

- **वर्ष 2024-25 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस) के अंतर्गत केंद्रीय चयन समिति (सीएससी) की बैठकः**

सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति (सीटीएसएसएस) योजना के अंतर्गत प्राप्त 5,423 आवेदनों की जाँच हेतु 16 से 24 सितंबर, 2025 तक केंद्रीय चयन समिति की बैठक आयोजित की। साक्षात्कार/परीक्षणों के लिए आवेदकों की सूची बनाने हेतु कुल 39 विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और तत्पश्चात, वर्ष 2025-26 के लिए सीटीएसएसएस योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय चयन समिति की बैठकों के लिए 3,761 आवेदनों की अनुशंसा की गई।

- **विश्व पर्यटन दिवस और विश्वव्यापी रेलवे के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सीसीआरटी द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतिः**

27 सितंबर 2025 को विश्व पर्यटन दिवस और विश्वव्यापी रेलवे के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारकों द्वारा सामूहिक और एकल सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इस कार्यक्रम के दौरान कुल 10 सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारकों ने प्रस्तुति दी।

- **सेवा पर्व - 2025 के अंतर्गत 'राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता'**

सेवा पर्व - 2025 के अंतर्गत, 27 सितंबर 2025 को पुणे में एक राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली द्वारा भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय (मान्य विश्वविद्यालय) - प्रदर्शन कला विद्यालय और एमआईटी-एडीटी विश्वविद्यालय, पुणे (कला, डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी) के सहयोग से आयोजित एक संयुक्त पहल थी। यह प्रतियोगिता 'विकसित भारत के रंग, कला के संग' नामक प्रेरक विषय पर आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य युवा मन को कला के माध्यम से एक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को रचनात्मक रूप से चित्रित करने के लिए प्रोत्साहित करना था। पुणे के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के कुल 1,085 छात्रों और युवा कलाकारों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

- **सितम्बर 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 6330 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।**

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 'रचनात्मक कठपुतली कला की विरासत'

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी में 22 से 26 सितंबर 2025 तक 'रचनात्मक कठपुतली कला की विरासत' विषय पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम में 10 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों असम, बिहार, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कुल 25 सीसीआरटी प्रशिक्षित शिक्षकों ने भाग लिया।

सेवा पर्व - 2025 के अंतर्गत 'विकसित भारत - विकसित भारत के रंग, कला के संग'

सीसीआरटी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'सेवा पर्व-2025' के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 के बीच देश भर के 10 विभिन्न स्थानों पर 'विकसित भारत - विकसित भारत के रंग, कला के संग' विषय पर कला कार्यशालाओं का आयोजन किया। इसमें कुल 8,860 प्रतिभागियों ने हिस्सा किया।

राजभाषा अनुभाग

राजभाषा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली और क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर, हैदराबाद, गुवाहाटी और दमोह में राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया।

16 सितंबर 2025 को सीसीआरटी मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत कर्मचारियों के लिए श्रुतलेख प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। हिंदी हमारी संस्कृति की धड़कन है, इसी धड़कन को जीवंत बनाए रखना ही इन आयोजनों का उद्देश्य है। यह आयोजन सिर्फ प्रतियोगिता नहीं बल्कि हिंदी के प्रति सम्मान और प्रेम का उत्सव रहा।

17 सितंबर 2025 को "कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य: समस्याएँ एवं समाधान" विषय पर तिमाही कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, आमंत्रित विशेषज्ञ श्री राजवीर सिंह व उपनिदेशकों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। विशेषज्ञ ने हिंदी में कंप्यूटर कार्य की चुनौतियों व समाधान पर जानकारी दी। यह कार्यशाला हिंदी के तकनीकी प्रयोग को सरल व प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

18 सितंबर 2025 को शब्द-भाषा ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ किया गया।

19 सितंबर, 2025 को निबंध प्रतियोगिता उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित हुई।

22 सितंबर 2025 को सीसीआरटी मुख्यालय वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

23 सितंबर 2025 को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की। निर्णायक सुप्रसिद्ध कवि श्री संजीव कुमार ने भी अपनी कविताओं, गजलों और शायरी से प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने भावपूर्ण और सृजनात्मक रचनाएँ प्रस्तुत कीं। डॉ. संदीप शर्मा, उपनिदेशक, सहित अन्य ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर हिंदी साहित्य के प्रति प्रेम दर्शाया।

इन सभी प्रतियोगिताओं में सीसीआरटी परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने हिंदी भाषा के ज्ञान, शब्दों की समझ, निबंधों में हिंदी की गरिमा, शब्दों के प्रयोग की उत्कृष्टता और सांस्कृतिक जड़ें और राष्ट्रीय एकता में इसकी भूमिका का परिचय दिया। समापन पर प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना हुई, जिनके योगदान ने प्रतियोगिता को सफल बनाया।

हिंदी तिमाही बैठक

सीसीआरटी मुख्यालय में दिनांक 29 सितंबर, 2025 को हिंदी तिमाही बैठक का आयोजन मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में किया गया। बैठक का शुभारंभ उपनिदेशक (प्रशासन) द्वारा सभी उपनिदेशकों, अधिकारीगण तथा चारों क्षेत्रीय कार्यालयों से जुड़े प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए किया गया।

बैठक में पिछली तिमाही बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई तथा उनकी प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही हिंदी भाषा के प्रयोग, प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। सभी उपनिदेशकों ने सुझाव प्रस्तुत किए कि हिंदी में नोटिंग और ड्राफ्टिंग की दक्षता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए तथा कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग सिखाने हेतु प्रशिक्षण सत्र संचालित किए जाएं।

इसके अतिरिक्त यह भी प्रस्तावित किया गया कि मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में पत्राचार हिंदी में बढ़ाया जाए ताकि राजभाषा हिंदी के प्रयोग से संबंधित प्रगति आंकड़ों में वृद्धि हो सके। गुवाहाटी एवं हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालयों में हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन का सुझाव भी रखा गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**डॉ. राहुल कुमार,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति)	**श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति)	**श्री आशुतोष,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	**डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश
श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष: 011-25309300 ई-मेल: dir.ccrt@nic.in वेबसाइट: www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर